# आवश्यक लाभ का अवश्य ध्यान रखें

समाज में हर वर्ग के लोग रहते हैं-व्यापारी किसान, मजदूर, नेता, गृहस्थ, उद्योगपति, शिक्षक। प्रत्येक का अपना एक विशिष्ट स्थान होता है, बिलकुल वैसे ही जैसे मानव शरीर में अनेक अंग जैसे आँख, कान, नाक, हाथ-पैर आदि अपना अपना विशिष्ट काम करते हैं और मिल कर एक शरीर का निर्माण करते हैं। प्रत्येक अंग अपनी एक विशिष्टता, दायित्व और दिव्यता लिए रहता है।

जिसके पास व्यापार कौशल है वह वाणिज्य करता है और करना भी उसी को चाहिए। जिसके पास कृषि योग्य दक्षता है, वह खेती-बाड़ी करता है। जिनके पास कोई विशेष कौशल नहीं, उन्हें शारीरिक श्रम करना पड़ता है।

व्यापारी को यह याद रखना चाहिए कि उसके व्यापार का समाज में महत्त्वपूर्ण स्थान है इसलिए उस अपनी दक्षता को बढ़ाना चाहिए। ईमानदारी से काम करके परिवार के लिए आवश्यक लाभ अवश्य कमाएँ। शेष कुछ समाज कल्याण के लिए भी उपयोग करना चाहिए।

वाणिज्य में कुशलता पाने के लिए भीएक शास्त्र है। इसे हम अंग्रेजी में बिज़नेस मैनेजमेंट कहते हैं। जिसके लिए दुनिया में अनगिनत कॉलेज हैं। व्यापारियों को चाहिए कि वे ऐसे कोर्स करके अपनी कुशलता को बढ़ाएँ। इस शास्त्र के सूत्रों को खूब पढ़ें और समझें तथा अन्य व्यापारियों के साथ हमेशा चर्चा करें और काम को बाँट कर कुशलतापूर्वक करें।

इसी प्रकार नेता लोक प्रशासन म और किसान खेती-बाड़ी के काम में कुशलतापूर्वक कार्य करते हुए सफल होते रहें इसी प्रकार समाज के अन्य लोग, चाहे किसी भी व्यवसाय में हों, अपने समाज में परस्पर विचार विनिमय करते रहें तथा स्वाध्याय के द्वारा अपने ज्ञान को बढ़ाते रहें किन्तु अपने व्यवसाय पर पूरा ध्यान रखें।

व्यवसाय में सफल होने के साथ साथ सबको आत्मज्ञानी भी बनना चाहिए क्योंकि दोनों की ही आवश्यकता है।